सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भारतीय संग्रहालय और ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण साझेदारी

एआइ, शोध और डिजिटल नवाचार से बच्चों तक पहुंचेगा भारत का गौरवशाली इतिहास

- अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के दौरान एमओयू पर किए गए हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। भारतीय संग्रहालय और ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह करार सोमवार, 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2026 के अवसर पर कोलकाता स्थित भारतीय संग्रहालय में आयोजित विशेष प्रदर्शनी ह्नमामि भारतम: अनेक रूप, एक सत्यह्व के उद्घाटन सत्र में हुआ। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस करार के तहत आगामी पांच वर्षों के इस सहयोग का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, विरासत, संग्रहालय अध्ययन और ज्ञान परंपराओं पर शोध, डिजिटल नवाचार और जनसहभागिता को बढ़ावा देना है। समझौते के तहत ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय अकादमी आफ भारतीय हेरिटेज, इंटरप्रिटेशन, रिसर्च एंड एडवांसमेंट (एबीएचआइआरए) की स्थापना करेगा, जो भारतीय विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के शोध एवं संरक्षण का उत्कृष्टता केंद्र बनेगा। इस एमओयू पर ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में विधायक अरिजीत बक्शी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में एआइ आधारित वृत्तचित्र बेक टू द पास्ट का भी अनावरण किया गया, जिसने आधुनिक तकनीक के जरिए इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस मौके पर भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के निदेशक डा. सायन भट्टाचार्य ने कहा कि यह साझेदारी भारत की विरासत को आधुनिक अनुसंधान और शिक्षा से जोड़ेगी। छात्रों को इंटर्नशिप, डिजिटल संग्रहालय अनुभव, संयुक्त शोध परियोजनाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नए अवसर उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में प्रो. स्वपन कुमार प्रमाणिक, उपाध्यक्ष, बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज, भारतीय संग्रहालय, डॉ. शतरूपा, सदस्य, बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज, आलोक कुमार घोष, सदस्य, बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज तथा संदीप सिंह राजपूत शामिल थे।

भारतीय संग्रहालय और ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय में एमओयू के दौरान वरिह अधिकारीगण।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए हम मिलकर कर रहे अद्वितीय मंच का निर्माण

इस अवसर पर ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने कहा कि हम मिलकर भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक अद्वितीय मंच का निर्माण कर रहे हैं। ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय बंगाल का पहला विश्वविद्यालय है जिसने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय संग्रहालय के साथ इस प्रकार की अभिनव साझेदारी की है। यह पहल संग्रहालय अध्ययन, इतिहास, कला, संस्कृति और विरासत के क्षेत्रों में छात्रों, शोधकर्ताओं और आम जनता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का सृजन करेगी।